



Putting the Last First.....

# नव भारत जागृति केन्द्र NAV BHARAT JAGRITI KENDRA

## सूचनापत्र

जुलाई - सितम्बर 2017

## Newsletter

July - September, 2017

### सक्षम:स्लमवासी सशक्तिकरण का प्रयास

बिहार की राजधानी पटना में स्लम निवासियों के समावेशी विकास हेतु विगत 01 जनवरी 2017 से न० मा० जा० केन्द्र द्वारा सक्षम कार्यक्रम की शुरुआत की गयी है. इसका क्रियान्वयन के० एन० एच० जर्मनी की सहायता से हो रहा है. सक्षम के तहत लोहानीपुर, जगनपुरा, मोहम्मदपुर, दरगाह रोड, अम्बेदकर कॉलोनी, सन्दलपुर, पीरवािश, रामपुर, मोगलपुरा और नयागाँव जैसी 10 मलिन बस्तियों का चयन किया गया है. बेसलाइन सर्वे के दौरान पाया गया कि इन मुहल्लों में 50,185 परिवारों के 3 लाख 32 हजार छह सौ सत्तर लोग बेहद खराब परिस्थितियों में रहने को बाध्य हैं. सर्वेक्षण के माफ़त उन बाधाओं की जानकारी भी मिली, जिनकी वजह से इस समुदाय को शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और अन्य जीवनोपयोगी सुविधाओं से वंचित रह जाना पड़ता है. न० मा० जा० केन्द्र ने यहाँ कुछ चुनी हुई गतिविधियों जैसे बच्चों के लिए अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र, उनकी माताओं के लिए स्वमद समूह, युवाओं/भटके हुए किशोरों हेतु व्यावसायिक प्रशिक्षण, दिव्यांगों की पहचान-पुनर्वास तथा कुछ अन्य सहायक उपक्रमों के साथ अपने कार्यों की शुरुआत किया है.

सभी स्लम क्षेत्रों में अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र खुल चुके हैं और ऐसे प्रत्येक केन्द्र में दो शिक्षक-दो कमरे की व्यवस्था है. एक शिक्षक लिखना-पढ़ना सिखलाते हैं तो दूसरे शिक्षक खेल-मनोरंजन का जिम्मा लेते हैं. इन केन्द्रों में भाषा (हिन्दी, अंगरेजी), गणित और सामान्य ज्ञान की पढ़ाई होती है. यहाँ नामांकन के लिए जिन बच्चों की पहचान करते हैं, उनमें से अधिकांश कभी किसी स्कूल में नहीं गए होते हैं और उनके अभिभावक इतने सक्षम नहीं होते कि उन्हें पढ़ा सकें या विद्यालय भेज सकें. अब अनेक ऐसे बच्चे भी यहाँ पढ़ने लगे हैं, जिनकी शिक्षा किसी वजह से बीच में ही बाधित हो गयी थी. अभी इन शिक्षण केन्द्रों में 6-14 आयुवर्ग के कुल 373 बच्चे पढ़ते हैं. जिनमें 10 दिव्यांग हैं. सक्षम के प्रोत्साहन से इन स्लम क्षेत्रों में 6 वर्ष से कम आयु के 29 बच्चों को सरकार संचालित आंगनवाड़ी केन्द्रों में भेजा जा रहा है.

इन मलिन बस्तियों में महिला स्वमद समूह गठन को प्रोत्साहित किया जा रहा है और अबतक दरगाह रोड में 2 और लोहानीपुर में 4 समूह निर्माण के बाद परियोजना क्षेत्र में कुल 6 समूहों का गठन किया जा चुका है. इन स्वमद समूहों में 72 महिला सदस्याएँ हैं और उन्हें लघु ऋण/नॉन-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों की सहायता मिली है, ताकि वो किसी आयवर्धक गतिविधि से जुड़ सकें.

इस कार्यक्रम ने 15-18 वर्ष आयुवर्ग के युवाओं पर ध्यान देते हुए उनके लिए कंप्यूटर, ब्यूटीशियन और टेलरिंग से सम्बन्धित व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की शुरुआत किया है. उपरोक्त तीनों पाठ्यक्रमों में क्रमशः 93, 159 और 75 प्रशिक्षुओं का नामांकन हुआ है. 24 युवाओं का चयन एक्जुप्रेसर चिकित्सक, पैथो लैब सहायक और बिजली मैकेनिक का काम सीखने के लिए ऑन-जॉब ट्रेनिंग की तर्ज पर हुआ था, लेकिन उनमें से सिर्फ 11 (सभी लड़कियाँ) ने अपना प्रशिक्षण पूरा किया और उस दौरान उन्हें पारिश्रमिक भी मिला.

दिव्यांगों की पहचान कर उनका पुनर्वास करना इस कार्यक्रम का एक हिस्सा है और अभी तक ऐसे 40 (21 बच्चे, 19 वयस्क) लोगों की पहचान हुई है. इनमें से एक बच्चे की कर्नेक्टिव सर्जरी हुई, 10 बच्चों का नामांकन अनौपचारिक शिक्षण केन्द्रों में करवाया गया है. 7 युवाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण से जोड़ा गया है और 9 लोगों को दिव्यांगता प्रमाणपत्र प्राप्ति में सहयोग किया गया है.

इसके तहत भटके हुए गुमराह किशोरों की पहचान कर उन्हें पुनर्वासित करने का पहलू भी है और पटना के बस अड्डे/रेलवे स्टेशन/फुटपाथ से ऐसे 6 किशोरों को इस कार्य के लिए चुना गया था, लेकिन इन सारी प्रक्रियाओं के बीच ही वो अचानक चले गए और इस बिन्दु पर कोई प्रगति नहीं हो सकी. परियोजना क्षेत्रों में बच्चों, अभिभावकों, शिक्षकों, स्थानीय सामुदायिक नेताओं और न० मा० जा० केन्द्र कार्यकर्ता की सदस्यता वाली बाल अधिकार सुरक्षा समितियों का गठन एक महत्वपूर्ण मुद्दा है और अभी तक 5 स्लम बस्तियों में बाल अधिकार सुरक्षा समिति गठित हो चुकी है.

सक्षम द्वारा इन स्लम बस्तियों में अथवा निकट अवस्थित लगभग 25 सरकारी और निजी विद्यालयों के साथ मिलकर काम करने की योजना है ताकि परियोजना क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा का अधिकार के तहत स्कूली शिक्षा का हकदार बनाया जा सके और उन विद्यालयों के शिक्षकों-बच्चों को बाल अधिकार, विद्यालय प्रबंधन समिति, दिव्यांग बच्चों की समस्या, बाल व्यापार और बाल श्रम जैसे मुद्दों पर संवेदनशील बनाया जा सके. उम्मीद है कि इस कार्यक्रम से अच्छे परिणाम मिलेंगे.

### SAKCHAM: To Empower Slum Dwellers at Patna

**Sakcham** is the program by NBJK for inclusive development of slum-dwellers in Patna, the capital city of Bihar. The program has been started from 1st January 2017 and being supported by KNH, Germany. **Sakcham** covers 10 slum pockets namely Lohanipur, Jaganpura, Mohammadpur, Dargah Road, Ambedkar Colony, Sandalpur, Peerwaish, Rampur, Mogalpur and Nayagaon. During baseline survey, it was found that these areas constitute 50,185 households with 3,32,670 population living in deplorable condition. The survey has revealed bottlenecks to access education, livelihood, health and other necessities by the community. NBJK has intervened here with some selected

activities like non-formal education centers for children, SHGs for mothers, vocational training for youths/street children, rehabilitation for PwDs and other fringe doings.

At all the selected slum areas, there are NFE centres as 2 roomed rented accommodation with 2 teachers for each centre. One teacher looks after academic stream while the other works as games/play teacher. The subjects being taught here are Languages (Hindi & English), Maths and General Knowledge. The children identified to be educated here had never been to formal education and their parents are incapable to teach or send them to schools. Also many dropout children are enrolled here. There are

total 373 children of 6-14 years age group and 10 are CwDs. The program has ensured enrolment of 29 children (below 6 years) at Govt. run Anganwadi Kendras too.

**Sakcham** has initiated to form women SHGs and 6 groups have been organized in the localities of Dargah Road (2 groups) and Lohanipur (4 groups). There are 72 women associated with these SHGs and those have been linked to micro-finance/non-banking financial institutions.

The program has focused upon youths (15-18 years) for vocational training courses related to Computer, Beautician and Tailoring. These courses have been enrolled with 93, 159 and 75 youths respectively. Also 24 youths were selected for OJT (On Job Training) on Acupressure, Patho Lab and Electrical Works. 11 youths (all girls) have continued the training with remuneration.

Rehabilitation of handicapped people is an aspect of this program and 40 (21 children, 19 adults) such people have been identified. 1 child got corrective surgery, 10 children are enrolled in NFE centers, 7 youths to vocational training and 9 were supported to get disability certificates.

Identification and rehabilitation of street children is another component and 6 children were picked from bus stop/railway station/footpath for such purpose but they couldn't continue and escaped. Formation of CRPCs or Child Rights Protection Committees with children, parents, teachers, local social leaders and NBJK staff is in progress and constituted in 5 slum areas.

**Sakcham** will work with about 25 government and private schools in or near to project areas to get enrolled slum children under RTE and to sensitize the schools over issues like child rights, SMCs, CwDs, trafficking and child labour. The program can deliver good results hopefully.



## अजीम प्रेमजी विवि में नभाजाके अध्यक्ष

**21 जुलाई, बंगलौर:** अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की ओर से नभाजा केन्द्र के संस्थापक सदस्य और वर्तमान अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश को "समावेशी विकास को समर्पित 50 वर्ष की यात्रा" विषय पर व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया था। इस क्रम में इन्होंने वर्ष 1966-67 की चर्चा करते हुए कालाहांडी (ओड़ीसा) जिले के गांवों को याद किया, जहाँ गाँधी विचारों से प्रभावित होकर ये अकाल राहत कार्य में स्वयंसेवक बनकर गए थे और उसके बाद बीआइटी सिन्द्री में मित्रों के साथ इंजीनियरिंग पढ़ते समय गाँधी दर्शन के व्यावहारिक-सामूहिक प्रयोग सम्बन्धी संस्मरण भी इन्होंने साझा किया, जिनमें भावी समाज सेवा के बीज छिपे थे। इन मित्रों ने 1970 में प्रसिद्ध सर्वोदयी नेता श्री जयप्रकाश नारायण से मिलने के बाद संस्था स्थापना का निर्णय लिया। नभाजाके अध्यक्ष ने अपने सम्बोधन में बिहार के छात्र आन्दोलन, जेल यात्रा, देशव्यापी आपातकाल और संस्था को "काम के लिए भोजन" कार्यक्रम हेतु ऑक्सफेम से मिले सहयोग का भी उल्लेख किया। इन्होंने लोक समिति की अद्यारणा पर प्रकाश डालते हुए बेरोजगारी, भूमि सुधार, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक कुरीतियों जैसे मुद्दों पर चले अनेक अभियानों की जानकारी दिया। श्री गिरिजा ने कहा कि न.भा.जा. केन्द्र शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, छोटी संस्थाओं की क्षमता वृद्धि, लोक समिति, जनवकालत सम्बन्धी अनेक कार्यक्रमों द्वारा समावेशी विकास सम्बन्धी प्रयासों को मजबूती दे रहा है। विकास का मतलब सिर्फ उत्पादन में वृद्धि या स्वास्थ्य-शिक्षा सुविधाओं की पर्याप्तता नहीं है बल्कि इसे व्यक्ति के विकास और सकारात्मक सोच के साथ जोड़कर देखने की जरूरत है, ऐसा इनका मानना था। श्री गिरिजा ने युवाओं से मूल्य केन्द्रित बनने, ड्रग्स/शराब से दूर रहने और परिश्रमी संस्कृति के अन्धानुकरण से बचने की अपील किया। इन्होंने जातिवाद, सम्प्रदायवाद, क्षेत्रवाद को युवाओं-महिलाओं की आजादी में बाधा बताने हुए कहा कि भारत निर्माण में पर्याप्त रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि/लघु उद्योग, व्यक्तिगत योजनाओं पर जोर, किसान उत्पादित वस्तुओं के दाम की गारन्टी, व्यक्तिगत मशीनीकरण और स्कूल-स्वास्थ्य केन्द्र संचालन में निजी क्षेत्र की भागीदारी जैसी बातों पर ध्यान देने की जरूरत है, 200 से अधिक विद्यार्थियों, शिक्षकों और विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में आयोजित इस सेमिनार का संचालन अजीम प्रेमजी विवि में फील्ड प्रैक्टिस के फकल्टी सदस्य श्री सुब्रत कुमार मिश्र ने किया था।



## NBJK President at Azim Premji University

**21 July, Bangalore:** Mr. Girija Satish (President, NBJK) was invited by Azim Premji University to deliver a lecture upon his **50 years Journey in Integrated Development**. He remembered the year 1966-67 as joined drought relief volunteer at Kalahandi district in Orissa under influence of Gandhian thoughts, engaged himself to practice that philosophy in his alma mater (BIT Sindri-Engineering College) with a group of friends and sown the seed of social work. In 1970, we met veteran Sarvodayee leader JP and decided to begin Nav Bharat Jagriti Kendra, he recalled. NBJK president has mentioned about students' movement in Bihar, imprisonment, nationwide emergency and initial support by Oxfam to Food for Work program. He talked about Lok Samiti and campaigns upon issues of unemployment, land reform, women empowerment, social evils etc. Mr. Girija Satish talked upon integrated approach of development NBJK believes in and follows through a number of programs in the areas of education, health, livelihood, support to small NGOs, Lok Samiti and advocacy. Development doesn't mean increasing of production or providing sufficient health & education facilities merely but counts for individual development and makes us with positive mindset, he argued. Mr. Girija Satish has appealed the youths to be value focused, to shun liquor/drugs and not to imitate the western culture. Casteism, communalism and regionalism are enemies of freedom required by our youths and women, he pointed out and comprehended building India with some vital aspects like adequate employment, health, education, agro/small industries, thrust over individual scheme, guaranteed price for farmers' products, logical mechanization and promotion of private sector intervention to run schools or health centers. Mr. Subrat K. Mishra (Faculty, Field Practice) anchored the colloquium attended by more than 200 students, faculties and directors of schools.

## दिव्यांग अधिकारिता कानून 2016 पर कार्यशाला

**26 जुलाई, रांची:** सीबीएम-बंगलौर, ऑसएड, नभाजाके और महिला-बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग (झारखण्ड सरकार) के संयुक्त तत्वावधान में "दिव्यांग अधिकारिता कानून 2016" पर कार्यशाला का आयोजन किया गया था, जिसका उद्घाटन राज्य नि:शक्तता आयुक्त श्री सतीश चंद्रा ने किया। इस अवसर पर म.बा.वि.सा.सु. विभाग के अतिरिक्त सचिव श्री चितरंजन कुमार, श्री नीरद बाग (रा. परि. अधिकारी, सीबीएम), श्रीमती कंचन सिंह (रिज. स. क. अधिकारी) और श्री गिरिजा सतीश (अध्यक्ष, नभाजाके) उपस्थित थे। श्री चंद्रा ने कहा कि नये कानून में 21 प्रकार की दिव्यांगताएँ शामिल होने के बाद राज्य में दिव्यांगों का आबादी लगभग 5-7% हो सकती है और उन सबों को इस कानून की मदद चाहिए। श्री प्रसन्न कुं० पिन्चा (मु०पू० मुख्य नि:शक्तता आयुक्त, भारत सरकार और वर्तमान में रा० मा० आ० के विशेष रैपोर्टर) इस कार्यशाला के संसाधन व्यक्ति थे, जिन्होंने नये कानून की प्रकृष्टभूमि, विशेषताओं, बर्गीकरण, संरचना, केन्द्र सरकार के नियमों, लामों, मॉनिटरिंग के सम्बन्ध में जानकारी दिया। उन्होंने केन्द्र सरकार से निर्गत होने वाले नि:शक्तता निर्धारण मार्गदर्शिका और राज्य सरकार के भावी नियमों पर भी अपना सुझाव रखा। इनके पूर्व अपने स्वागत कथन में श्री आनन्द अभिनव (कार्यक्रम निदेशक, नभाजाके) ने दि० अघि० कानून 2016 के प्रति आम समझदारी कायम करने और साझे कार्यक्रम को महत्वपूर्ण बतलाया। श्री गिरिजा सतीश ने सरकार से आग्रह किया कि दिव्यांगों से जुड़ी सेवाओं को सुनिश्चित और तेज करने का नियम बनाए, श्री चितरंजन कुमार ने आश्चर्य किया कि शीघ्र ही राज्य सरकार दिव्यांग अधिकारिता सम्बन्धी नये कानून बनाएगी और जिला स्तरीय दि० सं० केन्द्रों का पुनर्गठन, दिव्यांगों का ऑनलाइन निबन्धन, दिव्यांग मित्रवत भवन निर्माण की पहल जैसे कदम उठाए जाएंगे, इन्होंने कहा कि दिव्यांग मामलों के लिए एक अलग कलेक्टरालय का गठन किया जा सकता है। कार्यशाला का संचालन श्री दिलशाद अजमल (कार्यक्रम प्रबन्धक, नभाजाके) कर रहे थे और श्री विवेक सिंह (दिव्यांगता एक्टिविस्ट) ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस आयोजन में झारखण्ड के 21 जिलों से र्वेच्छिक संस्थाओं और दिव्यांगजन संगठनों के 150 से अधिक प्रतिनिधिगण शामिल थे।



## Workshop on RPD Act 2016

**26 July, Ranchi:** A workshop on **Rights of People with Disabilities Act 2016** was held under joint auspices of NBJK, CBM-Bangalore, AusAid and Dept. of Women-Child Dev. & Social Securities, Govt. of Jh. This was inaugurated by Mr. Satish Chandra (State Disab. Commissioner) in presence of Mr. Chitraranjan Kumar (Add. Secy. Deptt. of WCD & SS), Mr. Nirad Bag (SPO, CBM-Bangalore), Mrs. Kanchan Singh (DSWO, Ranchi) and Mr. Girija Satish (President, NBJK). Mr. Chandra has guessed for 5-7% population of Jharkhand as PwDs after introducing 21 types of disabilities and they all need support from the law, he insisted. Mr. Prasaana K. Pincha (Ex-Chief Disab. Com., Govt. of India & now Special Rapporteur with NHRC) was the resource person who explained about the RPD Act including its background, features, classification, structure, central rules, benefits, monitoring etc. Also he suggested for state rules and Disability Assessment Guidelines to be issued by the central and state governments. Initially in his welcome note, Mr. Anand Abhinav (PD, NBJK) said how the new law seeks understanding and consensus to work further. Mr. Girija Satish has requested the govt. to check delay in services to PwDs by framing rules. Mr. Nirad Baag called for inclusive development of PwDs and their CBR to ensure dignity. Mr. Chittaranjan Kumar assured for the rules on part of state govt., restructuring of DDCRCs, Online registration of PwDs and initiative for disable friendly structures. He said that a separate directorate for PwDs affairs can be constituted soon. Mr. Dilshad Azmal (PM, NBJK) anchored the dais and Mr. Vivek Singh (Disability Activist) concluded with vote of thanks. There were more than 150 participants in the workshop from NGOs and DPOs across 21 districts of Jharkhand.

## स्वागत स्वतंत्रता दिवस!

**15 अगस्त, हजारीबाग:** नभाजा केन्द्र मुख्यालय, संयोजन-शाखा कार्यालयों और संस्था संचालित विद्यालयों में राष्ट्र का 71वां स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्साहपूर्वक मनाया गया। संस्था अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश ने संयोजन कार्यालय में तिरंगा झंडा लहराने के बाद सामूहिक राष्ट्रगान का नेतृत्व किया और उपस्थित लोगों को शुभकामनाएं दीं, अपने संबोधन में इन्होंने जीवन और स्वतंत्रता, बोलने और अभिव्यक्ति, आवागमन और निवास, धार्मिक स्वतंत्रता जैसे कुछ मौलिक अधिकारों की चर्चा किया, जो भारतीय नागरिकों को मिले हैं। श्री गिरिजा ने कहा कि हम आज भी जातिवाद, सम्प्रदायवाद, अन्धविश्वास, किसानों की दुर्दशा, महिलाओं पर अत्याचार, युवाओं में बेरोजगारी और आपदा कुप्रबन्धन जैसी समस्याएँ झेल रहे हैं, जिन्हें मिलजुल कर दूर करने की जरूरत है, इन्होंने युवा पीढ़ी से अपील किया कि महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर करियर बनाएँ और राष्ट्र निर्माण में योगदान दें। श्री सतीश गिरिजा (मन्त्री, नभाजाके) ने इस स्वतंत्रता के स्थायित्व को एक चुनौती मानते हुए स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता के लिए व्यक्ति सशक्तिकरण को महत्वपूर्ण माना। इन्होंने दु:ख जाहिर किया कि आजादी के 70 सालों बाद भी गाँवों में स्वास्थ्य सुविधा का अभाव है, श्री प्रमनाथ शर्मा (कोषाध्यक्ष, नभाजाके) ने स्वच्छन्दता और स्वतंत्रता में अंतर स्पष्ट करते हुए युवाओं से मातृभूमि के हित में कुछ काम करने को कहा, इस अवसर पर लगभग 100 लोग उपस्थित थे और देश के शहीदों-स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में लगे नारों से वातावरण रूँच उठा था।



## Welcome Independence Day!

**15 August, Hazaribag:** 71st Independence Day of the nation was celebrated with zeal at NBJK coordination office, head office, other branches and schools run by the organization. Mr. Girija Satish (President, NBJK) has hoisted the tricolor at CO and led the group recital of national anthem. He offered his best wishes to staffs, trainees and villagers on this occasion. Mr. Girija has addressed the audience briefly and mentioned about fundamental rights of Indian citizens including their freedom of speech & expression, right to life & liberty, movement & residence, freedom of religion etc. He said that still we counter various problems related to caste, communalism, superstition, misery of farmers, disparity with women, employment for youths, disaster management and all these need a combined effort to be subsided. He appealed young generation to get inspiration from the lives of great people for career making and nation building. Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK) has called the very stability of this independence as a challenge and stressed over individual empowerment to feel free and independent. He expressed deep concern over inadequate health facility in villages even after 70 years of independence. Mr. Prabhu Nath Sharma (Treasurer, NBJK) has differentiated the freedom from being unrestrained and appealed the youths to work in favor of the motherland. Around 100 people have participated and echoed the air with patriotic slogans as tribute to martyrs, freedom fighters.

## कोडरमा के किसानों हेतु शैक्षणिक भ्रमण

5-6 सितम्बर, कोडरमा/खुंटी: एचडीएफसी बैंक के सहयोग से कोडरमा जिला में संचालित एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम के लाभुक किसानों को श्रीविधि खेती में हो रही समस्या के मद्देनजर कार्यक्रम टीम द्वारा निर्णय लिया गया कि इन्हें खुंटी के किसानों से मिलाया जाए, जिन्हें एसआरटीटी-मुंबई और सिनी-झारखण्ड की सहायता से नभाजाकेन्द्र द्वारा खाद्य सुरक्षा और आय वृद्धि से जोड़ा गया है। कोडरमा जिला के 15 परियोजना गांवों से प्रति गांव एक महिला-एक पुरुष किसान को घनित कर कुल 30 किसानों को इस भ्रमण कार्यक्रम के तहत खुंटी के गांवों में ले जाया गया था। श्री राहुल साव (सहायक परि० प्रबन्धक, नभाजाकेन्द्र) के नेतृत्व में पहुंची कोडरमा टीम का स्वागत श्री अनिल कुं० हस्सा (क्षेत्र समन्वयक, नभाजाकेन्द्र-खुंटी) ने किया। मेहमान किसानों को मुरहू प्रखंड के पांडू और चट्टा गांवों में ले जाया गया, जहाँ उन्होंने दो समूहों में छह अलग-अलग प्लॉटों का निरीक्षण करने के साथ सीर ऊर्जा संचालित सिंचाई व्यवस्था देखी। कोडरमा के किसानों ने एक सामुदायिक नर्सरी भी देखी, जिसमें मिर्च, बैंगन, गोभी, टमाटर लगे थे, इन किसानों ने गौर किया कि खुंटी में श्रीविधि के तहत पंक्तिबद्ध बुआई के अलावा खरीक पैडी स्टेबिलाइजेशन (केपीएस) में बिना लाइन के बुआई भी होती है और ये लोग नाम मात्र का रासायनिक खाद इस्तेमाल करते हुए सामूहिक रूप से खेती करते हैं। श्री राहुल साव ने बताया कि यह एक अलग अनुभव था और खुंटी के किसानों की कुछ विशेषताएं हम भी अपना सकते हैं। 26 सितम्बर को तेल ज्वीय विश्वविद्यालय (इजराइल) से स्नातकोत्तर विद्यार्थियों का एक दल भी खुंटी में संचालित 'मिशन 2020: लखपति किसान-स्मार्ट विलेज' कार्यक्रम का अध्ययन करने पहुंचा है।



5-6 September, Koderma/Khunti: During working with farmers under Holistic Rural Development Program in Koderma district with support of HDFC Bank, it was found that they are not so much familiar with SRI (System of Rice Intensification) method and the program team has decided for an exposure visit for the farmers to Khunti, where NBJK (with support of SRTT-Mumbai & CINI-Jharkhand) has promoted tribal people towards food security and enhanced income. There were one female-one male farmer selected from each project village and total 30 farmers from 15 villages of Koderma district had an opportunity to see the agricultural advancement in villages of Khunti district. Koderma team was led by Mr. Rahul Saw (APM, NBJK) and received by Mr. Anil Kumar Hassa (Area Coordinator, NBJK) at Khunti. These farmers have visited two villages namely Pandu and Chatta under Bichna panchayat in Murhu block of Khunti. They have seen six different plots in two groups and observed solar energy based irrigation setup. They visited a community nursery of vegetables like chilly, brinjal, cabbage, tomato etc. It was noticed by Koderma people that their Khunti counterparts are growing two types of paddy like SRI line sowing and KPS (Kharif Paddy Stabilization) without line sowing.

Also they use nominal fertilizers and doing all these activities in group. This was really a different and live experience for our farmers and such practices can be replicated at Koderma also. Mr. Rahul Saw (NBJK-Koderma) said expectantly. On 26 September, a group of Master course students from Tel Aviv University, Israel has reached at Khunti to study the same program of Mission 2020: Lakhpati Kisan-Smart Village.

## बगोदर में विजन सेन्टर

07 सितम्बर, बगोदर (गिरिडीह): लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल, बहेरा (चौपारण, हजारीबाग) द्वारा बगोदर में एक विजन सेन्टर की शुरुआत की गयी है, स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के प्रभारी चिकित्सक डॉ० कुन्ताल कुमार ने इसका उद्घाटन किया और इस दिन को यहाँ के नेत्र रोगियों के लिए वरदान बताया, श्री त्रिपन दास (अस्पताल प्रशासक) ने बगोदर विजन सेन्टर की जानकारी देते हुए कहा कि यहाँ मात्र 50 रु० के शुल्क पर पूर्ण कंप्यूटरीकृत आँख जांच सुविधा और किरायाहीन दरों पर आधुनिक डिजाइन के धर्म उपलब्ध हैं, इन्होंने जानकारी दिया कि इस सेन्टर में श्री पंकज कुमार (नेत्र सहायक) रहेंगे और ग्लूकोमा, रेटिना, मोतियाबिन्द के मरीजों को मुख्य अस्पताल रेफर किया जाएगा, उद्घाटन समारोह में नभाजाकेन्द्र अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश स्वयं उपस्थित थे और उन्होंने नेत्र रोगियों से मिलकर मौजूद सुविधाओं की जानकारी ली। उनके साथ सर्वश्री गन्धर्व गौरव, आनन्द अभिनव (कार्यक्रम निदेशकगण), करुणानिधि (प्रभारी-विजन सेन्टर) तथा आँख अस्पताल के अन्य कार्यकर्ता भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि 100 बेड का लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल आइएएसओ 9001-2015 प्रमाणित एक आधुनिक आँख अस्पताल है, जिसने अपने स्थापना वर्ष 2005 से लगभग 3 लाख नेत्र रोगियों की चिकित्सा और 70 हजार से अधिक मोतियाबिन्द ऑपरेशनों को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। अस्पताल की ओर से हजारीबाग, चतरा, शेरघाटी (गया) और गोड्डा के बाद यह पाँचवाँ विजन सेन्टर बगोदर में खोला गया है। बगोदर गिरिडीह जिला का एक प्रखंड है, जिसके 138 गांवों में 2 लाख 36 हजार से अधिक लोग रहते हैं लेकिन नेत्र सुरक्षा सेवाओं का अभाव है और अनेक नेत्र रोगी 70 कि० मी० की दूरी तय करके लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल जाते थे।



## VISION CENTRE at BAGODAR

07 September, Bogodar (Giridih): LNJP Eye Hospital, Bahera (Chouparan, Hazaribag) has started a vision center at Bogodar. Dr. Kuntal Kumar (In-charge MO, CHC-Bagodar) has inaugurated the center and applauded the day as a boon for local people suffering from various eye problems. Mr. Tripan Das (Admin, LNJP) has introduced the center with complete-computerized eye checkup facility at nominal charge of Rs. 50 only and availability of new design power glasses at economy prices. Mr. Pankaj Kumar (Ophthal. Asst.) will be available here and severe eye patients of Glaucoma, Refina, Cataract etc. will be referred to base hospital, he added. The inaugural function was graced by Mr. Girija Satish (President, NBJK) who met eye patients and took a stock of the facilities available here. He was accompanied by Messrs Gandharv Gaurav, Anand Abhinav (Program Directors), Karunanidhi (In-charge, Vision Centers) and other staffs of the hospital. This is worth mentioning that 100 bedded LNJP is an ISO 9001-2015 certified modern eye hospital which cared for about 3 lacs OPD patients and performed more than 70 thousand cataract surgeries from the year 2005. This is the fifth such center after Hazaribag, Chatra, Sherghati (Gaya) and Godda by LNJP. Bogodar is a block with 2,36,482 population in 138 villages under Giridih district but lacks any eye care facility. Since many people from this area come at LNJP (about 70 km) for eye treatment, it was decided to open a vision center here.

## सुरक्षित बचपन-सुरक्षित भारत यात्रा को समर्थन

27 सितम्बर, हजारीबाग: बच्चों के यौन शोषण और बाल व्यापार के खिलाफ नोबल शांति पुरस्कार विजेता श्री कैलाश सत्यार्थी द्वारा आयोजित भारत यात्रा का स्वागत किया गया, यद्यपि स्वयं श्री सत्यार्थी कुछ अपरिहार्य कारणवश नहीं आ सके थे। यात्रा दल के साथ आए उसके संयोजक श्री अर्जुन कुमार, राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती आरती कुजूर और राज्य बाल श्रम आयोग की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती शांति किंडो समेत अन्य सदस्यों का स्वागत श्रीमती वीणा कुमारी (जि० स० कल्याण पदाधिकारी), श्री एस० पी० सिंह (अध्यक्ष, जि० बाल क० स०) और श्री गिरिजा सतीश (अध्यक्ष, नभाजाकेन्द्र) के साथ मौजूद नभाजाकेन्द्र कार्यकर्तागण और संस्था संचालित विद्यालयों के बच्चों ने किया। इन सबों ने एक रैली में शामिल होकर बच्चों के पक्ष में नारा लगाया और वह रैली शहर के मुख्य मार्गों से गुजरती हुई नगर भवन तक पहुंची, जहाँ जिला प्रशासन और नभाजा केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में एक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें श्री गिरिजा सतीश ने भारत यात्रा की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमें न सिर्फ बच्चों पर बल्कि उनके परिवार, वातावरण और समाज पर भी ध्यान देना होगा। इन्होंने सुरक्षित बचपन के लिए शराबबन्दी और लैंगिक समानता पर बल देते हुए नभाजा केन्द्र के बाल केंद्रित कार्यक्रमों की जानकारी दिया, श्री अर्जुन कुमार ने झारखण्ड सरकार और नभाजाकेन्द्र को सहयोग हेतु धन्यवाद देते हुए जानकारी दिया कि 11 सितम्बर को केरल में कन्याकुमारी से शुरू यह भारत यात्रा 18 अक्टूबर तक देश के 22 राज्यों में चलेगी, श्रीमती शांति किंडो ने बच्चों के समर्थन में सामूहिक आवाज पर जोर दिया और श्रीमती आरती कुजूर ने महिला शक्ति को सम्मान, बच्चों द्वारा इन्टरनेट के सदुपयोग और अभिभावकों के साथ उनके संवाद हेतु आग्रह किया, श्री प्रवीण कुमार (जि० श्रम अधीक्षक) ने बाल श्रम विरोधी अभियान और प्रतिक बच्चों के पुनर्वास की जानकारी दिया। सम्मेलन की अध्यक्षता और धन्यवाद ज्ञापन क्रमशः श्रीमती वीणा कुमारी और श्री सतीश गिरिजा (मंत्री, नभाजाकेन्द्र) ने किया था।



## In Support of Safe Childhood-Safe India March

27 September, Hazaribag: Bharat Yatra, a nationwide march led by Nobel Peace Laureate Mr. Kailash Satyarthi against child sexual abuse and trafficking, was welcomed here though Mr. Satyarthi couldn't be present. The Yatra team reached with its coordinator Mr. Arjun Kumar, Mrs. Arti Kujur (Chairperson, Jharkhand State Commission for Protection of Child Rights), Mrs. Shanti Kindo (Ex-Chairperson, Jharkhand State Child Labor Commission) and other team members. These were received by Mrs. Veena Kumari (DCWO), Mr. S. P. Singh (Chairman, DCWC) and Mr. Girija Satish (President, NBJK) with staffs & children from NBJK run programs/schools. All these have participated in the rally chanting pro-children slogans and marched up to Town Hall where a convention held under joint auspices of District Administration and NBJK. Mr. Girija Satish has appreciated the move and said to consider not only children but their families, surroundings and society also. He suggested for measures like liquor prohibition and gender equality for a safe childhood and shared about child focused programs by NBJK. Mr. Arjun Kumar has thanked Jharkhand Govt-NBJK for cooperation and informed that Bharat Yatra (11 September-16 October 2017) was started from Kanyakumari in Kerala to cover 22 states in India. Mrs. Shanti Kindo was in favor of a collective say in support of children and Mrs. Arti Kujur has called for honor to women's power in the wake of Navaratri. Rational use of internet and dialogue between parent-child are the things we must take care now, she insisted. Mr. Praveen Kumar (Labor Superintendent) has mentioned about initiatives against child labor and rehabilitation work. The convention was chaired by Mrs. Veena Kumari and Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK) conveyed vote of thanks.

## सूचना का अधिकार कानून पर सेमिनार

19-21 सितम्बर, शान्तनगर नगर (रांची): विश्व युवक केन्द्र-नयी दिल्ली, अभियान-पटना और नभाजाके-रांची के संयुक्त तत्वावधान में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 पर सेमिनार का आयोजन किया गया था. लोक समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कहा कि करदाताओं को राष्ट्र निर्माण की कैफियत लेने का अधिकार है. इन्होंने इस कानून के तहत स्वैच्छिक संस्थाओं की स्थिति स्पष्टता पर जोर देते हुए बताया कि कुछ नकली सूचनाधिकार कार्यकर्ताओं ने इस अधिकार का दुरुपयोग भी किया है. अभियान-पटना के राविव श्री चंद्रभूषण ने सर्वा का स्वागत करते हुए इस सेमिनार को नागरिक जागरूकता की दिशा में एक कदम बताया. श्री रूपेश ने कहा कि सूचनाओं का अभाव हमें राय जाहिर करने से रोकता है. श्री अजित कुं राय (कार्यो अधि०) ने आशा जतायी कि इस कार्यक्रम में विषय-वस्तु पर सार्थक चर्चा होगी. श्री प्रकाश प्राण ने सामाजिक कार्यकर्ताओं से अपील किया कि बाढ़ राहत और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की अनियमितताओं को उजागर करें. श्री रामनाथ ठाकुर ने विचाराधीन कैदियों का मुद्दा उठाया. मो० अब्दुस सुभान ने सूचनाधिकार कार्यकर्ताओं से पंचायत स्तर पर काम करने का आग्रह किया. सेमिनार की अध्यक्षता श्री सच्चिदानन्द (महामन्त्री, रा० लोक सं०) ने किया और झारखण्ड-बिहार स्थित सामाजिक संस्थाओं-संगठनों के 100 से अधिक प्रतिनिधिगण इसमें शामिल हुए थे.



## Seminar on Right to Information Act

19-21 September, Shantman Nagar (Ranchi): State level seminar on Right to Information Act 2005 was organized under joint auspices of Vishwa Yuvak Kendra-New Delhi, Abhiyan-Patna and NBJK-Ranchi. Mr. Girija Satish (President, National Lok Samiti) has inaugurated the seminar and said that tax payers deserve all information regarding their contribution to nation building. He asked for status of NGOs under its purview and charged some fake RTI activists for misusing the law. Mr. Chandrabhushan (Secretary, Abhiyan) welcomed all dignitaries-participants and called the seminar as a step towards informed citizenry. Mr. Rupesh has said that No Information leads us to be without any opinion. Mr. Ajit K. Roy (PO, VYK) has expected for a full length discussion on RTI during the seminar. Mr. Prakash Pran has requested social workers to reveal irregularities of flood relief and social security schemes. Mr. Ramnath Thakur has put the question of under-trial prisoners. Md. Abdus Subhan has invited RTI volunteers to work at panchayat level. The seminar was chaired by Mr. Sachchidanand (General Secretary, National Lok Samiti) and participated by more than 100 delegates from various social organizations across Jharkhand and Bihar.

## दिव्यांग अधिकारिता गतिविधियाँ

सितम्बर, झारखण्ड-बिहार: एवीआइ-बीएलएफ, यूके समर्थित दिव्यांग अधिकारिता कार्यक्रम अंतर्गत अनेक गतिविधियों का आयोजन हुआ है. गया, कोडरमा और गिरिडीह जिलों में स्कूली बच्चों के बीच 13 किच प्रतियोगिताओं के माध्यम से उन्हें दिव्यांगता मुद्दे पर संवेदीकृत करने का प्रयास किया गया. हजारीबाग, गया, कोडरमा और गिरिडीह जिलों में 11 पंचायत स्तरीय बैठकों के दौरान मुखिया, पंचायत समिति सदस्यों की मौजूदगी में दिव्यांगों द्वारा प्रमाणपत्र, पेंशन तथा अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़ाव सम्बन्धी सवाल पूछे गए. इन्हीं जिलों में दिव्यांगजन संगठनों से जुड़े 373 दिव्यांगों और उनके देखभालकर्ताओं ने 14 बैठकें आयोजित कर विहित सरकारी सुविधाओं की प्राप्ति, उसके लिए जरूरी कामजात और अन्य योजनाओं से जुड़ाव पर चर्चा किया. हजारीबाग में जिला स्तरीय दिव्यांगजन संगठन का पुनर्गठन किया गया और अब इसका नया नाम जिला विकलांग संस्थान रखा गया है. इस कार्यक्रम के तहत कोडरमा और गिरिडीह जिलों में 305 दिव्यांगों को सरकार प्रायोजित समारोह में सहायक उपकरणों की प्राप्ति में मदद की गयी और 12 सितम्बर को गिरिडीह में आयोजित ऐसे कार्यक्रम में स्थानीय सांसद श्री रवीन्द्र पोंडेय भी उपस्थित थे. इसके अलावा गिरिडीह, नवादा और कोडरमा जिलों में 9 दिव्यांगों की पुरानी ट्राईसाइकिलों को मरम्मत कर उनका आवागमन सुनिश्चित किया गया. वहीं गया जिला में 5 महिला दिव्यांगों को शिलाई मशीन और 1 पुरुष दिव्यांग को राजमिस्त्री कार्य हेतु जरूरी औजार उपलब्ध कराए गये ताकि उन्हें पुनर्वासित होने में सहायता मिले.



## Rights Based Activities for PwDs

September, Jharkhand-Bihar: Under AVI-BLF, UK supported program of Disability Rights, a number of activities took place to empower People with Disabilities. School intervention has ensured sensitization of students upon disability issue through 13 quiz programs in Gaya, Koderma and Giridih districts. 11 panchayat level meetings held in Gaya, Giridih, Koderma, Hazaribag districts in presence of PRI members and PwDs have raised their problems to get disability certificate, pension and other benefits from social security schemes. Also 373 PwDs and their carers have participated in 14 DPOs meetings in Gaya, Giridih, Koderma and Hazaribag districts. They discussed upon access to entitlements, submission of required documents and convergence benefits from other govt. schemes. In Hazaribag, district level DPO has been restructured and renamed as Zila Viklang Sansthan now. The program has facilitated 305 PwDs in Koderma and Giridih districts to avail govt. sponsored aids & appliances. On 12 September, Mr. Ravindra Pandey (MP) was present during assistive appliance distribution ceremony. Besides this, old tricycles of 9 such people have been repaired in Giridih, Nawada and Hazaribag districts. Also toolkits distribution like sewing machines to 5 PwDs (women) and mason utilities to one in Gaya district was instrumental for their CBR purpose.

## पढ़ना है जरूरी

पटना के महेंद्र-संदलपुर इलाके में बसे अम्बेदकर कॉलोनी में सफाईकर्मियों की आबादी है और ऐसे ही एक दैनिक सफाई मजदूर शंकर राम का परिवार भी इस स्लम मोहल्ले का वासिन्दा है. शंकर राम की 9 वर्षीया बेटि का नाम बेबी खुशी या खुशी कुमारी है, जिसकी माँ का देहान्त लगभग 4 वर्ष पहले हो चुका है. क्योंकि यह लम्बे समय से बीमार थी. खुशी की एक बहन और एक भाई भी हैं. खुशी के पिता की मासिक आमदनी सिर्फ 2500-3000 रु० है और इनका निर्वाह काफी कठिनाई से होता है. उनके लिए खुशी और उसके भाई-बहन की शिक्षा कोई प्राथमिकता नहीं थी.



सशम कार्यक्रम अंतर्गत अम्बेदकर कॉलोनी का सर्वेक्षण हुआ था और नभाजाके कार्यकर्ताओं द्वारा खुशी के घर का भी निरीक्षण किया गया. परिस्थितियों से अवगत होने पर उसके पिता से आग्रह किया गया कि वो कम से कम खुशी को शिक्षित बनाने की हिम्मत करे. उसके पिता शंकर राम को उनके मोहल्ले में संचालित होने वाले जयप्रभा इंग्लिश स्कूल (अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र) के विषय में बतलाया गया. वो खुशी को पढ़ाने के लिए राजी हुए और आज यह बालिका कक्षा एक की छात्रा है. खुशी प्रतिदिन अपने विद्यालय जयप्रभा इंग्लिश स्कूल जाती है. इसे हिन्दी-अंग्रेजी वर्णमाला, साधारण गिनती, जोड़-घटाव और सामान्य ज्ञान से जुड़ी बातों की जानकारी है. इस बदले घटनाक्रम से यह बच्ची और इसके पिता संतुष्ट हैं. बेबी खुशी भविष्य में शिक्षिका बनना चाहती है.

## PRERNA The Inspiration

Baby Khushi or Khushi kumari is 9 years old girl child at the sium area namely Ambedkar Colony, via-Sandalpur, post-Mahendru, Patna. Her mother passed away 4 years back due to prolonged illness and father Shri Shankar Ram is a daily labourer. Khushi has a sister and a brother too. Their father's monthly income is about Rs. 2500-3000 only and the family lives with acute poverty. Education is not a priority here and Khushi's father was least interested to educate his children. Under the program of Saksham, house to house survey was conducted at Ambedkar Colony also. NBJK staffs have visited Khushi's house and came to know about the situation. They motivated her father to provide education to Khushi. They explained about Jayprabha English School (NFE Center) started by NBJK in their locality and requested him to ensure for Khushi's schooling. He agreed and Khushi was enrolled at JES, an initiative of Saksham program. She is a student of class I and goes to the center daily. Now she has learnt languages, simple calculation, and science related knowledge. Baby Khushi and her father feel happy with this development. Khushi wants to be a school teacher in future.

परिचालना : श्री गिरिजा सतीश

प्रस्तुति : विनय भद्र

नव भारत जागृति केन्द्र, संयोजन कार्यालय

ग्राम - अमृतनगर, पो. कोर्दा, जिला हजारीबाग (झारखण्ड) द्वारा प्रकाशित।

दूरभाष: +91 8809672146, +91 9835751159

ई मेल: nbjkco@gmail.com; vinaynbjk@gmail.com